

2025
Premium
Edition



NISM Financial Education & Invest Certification Securities Market Mock Test (English & Hindi)



10 Years of Trust



Financial Street
NISM- Financial Education & Invest Certification Securities Market
Mock Test



Why Financial Street

- 1 Get MCQ(Multiple Choice Question) in PDF
- 2 Delivery(PDF) With in 5 Min In Your Email Account
- 3 Easy to Study on Desktop/Mobile
- 4 Easy to Study Offline/Online
- 5 Clear Your Exam in Very First Attempt
- 6 Excellent Passing/Success Rate
- 7 Give Exam with High Confidence
- 8 Regularly Updated
- 9 Variety of Question & Answers
- 10 Join Free Demo

Testimonial

"The NISM-SEBI Investor Exam mock test is a great tool for anyone studying for the exam. It allowed me to test my knowledge and identify areas where I had to brush up. The explanations given after every answer were extremely detailed and made learning a cakewalk. I was adequately prepared for the actual exam and cleared it with ease."

*Neha Verma (Banglore)
House Wife*

Secured & Verified BY



instamojo



GoDaddy



LIMITED TIME

OFFER

Buy NISM Financial Education & Invest Certification Securities

Market Mock Test

Get

Free Stock Market Analysis Course (3 Module + Bonus Videos)

OUR SUCCESS STORIES

कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक बढ़े मल्टीबैगर स्टॉक बन रहे निवेशकों की पहली पसंद



ZOOM रिपोर्ट
patrika.com



**विकास शर्मा, सीईओ,
फाइनोशियल स्ट्रीट**

ग्यालियर. आप सभी ने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम सुना होगा, जिन्हें बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने मल्टीबैगर स्टॉक में अपार सफलता पाई। कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक तेजी से बाजार में बढ़ रहे हैं, जिनका रुझान अब डे ट्रेडिंग से हटकर मल्टीबैगर स्टॉक की तरफ जा रहा है। मल्टीबैगर स्टॉक मतलब जो आपको लम्बी अवधि में बेहतर रिटर्न दे। उदाहरण के तौर पर किसी ने [] में सन् 1980 में 10 हजार का निवेश किया होता तो 2017 में 452 करोड़ रुपए अर्न किए होते। इसी प्रकार किसी ने [] में 2006 में 1 लाख का निवेश किया होता तो आज साढ़े 3 करोड़ अर्न किए होते। मल्टीबैगर स्टॉक में सफलता पाने के लिए निवेशकों को कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करने वाली कंपनी को चुनें

निवेशकों को स्टॉक का चुनाव करने से पहले कंपनी का बिजनेस मॉडल समझना चाहिए। वहीं फंडमेंटली अच्छी रिवेन्यू वाली कंपनी जिनका नेट प्रॉफिट और पीई/ईपीएस स्ट्रॉन्ग हो, उसका चुनाव करें। कोशिश करें कि कंपनी कर्ज मुक्त हो और अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करती हो। अगर डिविडेंड देती हो तो बहुत ही अच्छा है। टैकनिकल एनालिसिस का इस्तेमाल सही समय पर एंटी के लिए करें। अच्छी रिस्क रेवाइड वाली कंपनी खरीदें और धैर्य बनाए रखें।

अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें

एनएसई के अनुसार 80 से 90 प्रतिशत लोग ऑप्शन ट्रेडिंग व डे ट्रेडिंग में नुकसान उठाते हैं। इसलिए लम्बी अवधि के लिए अच्छे स्टॉक पर निवेश करें। फर्जी यूट्यूब चैनल व टेलीग्राम चैनलों से बचें। अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें।

इन्वेस्टर-ट्रेडर बनकर करें स्टॉक मार्केट में फ्यूचर ब्राइट, बिजनेस के साथ जॉब के भी विकल्प

श्रेषण बाजार का क्रैज लगातार बढ़ रहा है। ट्रेडिंग इंडस्ट्री के खिलाफ के सब इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब हैं। आज युव से लेकर वरिष्ठतर सिटीजन तक स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग में इंटीग्रेट रिजल्ट रहे हैं। मकान ट्रेडर व इन्वेस्टर बनने के लिए किसी प्रोफेशनल ट्रेडर की जरूरत नहीं होती, लेकिन फंडामेंटल स्टेटस, फाइनेंस एनालिसिस और टैकनिकल एनालिसिस का बेहिक नज़र होना चाहिए। यदि आपके पास पैसा, फाइनेंस, अकाउंटिंग, एकीबिसिस व इंडस्ट्री में रिजल्ट है तो बहुत अच्छा रहेगा। आज कबकी संकष्ट में लोग इन्वेस्टर और ट्रेडर बन अपने करियर संवार रहे हैं।



निवेश से पहले अच्छे से होमवर्क कर लें इन्वेस्टर

आप कौन बाजार में निवेश करती हैं तो बाता से अच्छ रिटर्न पाना आसान नहीं है। अगर अपना इन्वेस्टमेंट सही जगह होता है तो मल्टीबैगर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। अगर इन्वेस्टमेंट का फेसला जल्दबाजी में लिख जाते हैं तो कई बार आपको बेचिस्टिव रिटर्न के लिए लम्बे समय के लिए इंतजार करना होता है। इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट्स हमारे वेबपु इन्वेस्टिंग की छात्रावक देते हैं। उनकी सलाह होती है कि निवेशकों को निवेश से पहले अपना होमवर्क अच्छे से करना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनोशियल स्ट्रीट के फाउंडर

एक नजर में

■ प्रोफेशनल ट्रेडर को पहचानने की छल बाती सज्जने की जरूरत है। कौनसा कौ सिटी अकाउंट एस डिविजिन है।
■ रिटर्न का गतिमान द्वारा संकेतित करवाकर जना करने के बाद गवालीग के नाम पर भी अकाउंट खोल जा सकता है।
■ इन्वेस्टमेंट एडवाइसरी या सिटी में बावनी में प्रोफेशनल के काम में काम करने के लिए सर्टिफाइड होना चाहिए।

एनालिटिकल रिस्कल और रिसेर्च जरूरी

दुस फीसल में अच्छी एनालिटिकल रिस्कल, स्टॉक माइड और रिसेर्च रिक्वायर करती है। इनके अलावा स्टॉक ट्रेडिंग प्रैक्टिस रूस और प्रेसेस की जानकारी होने के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री की जानकारी भी होने चाहिए। मार्केट में अने वाले नए प्रोडक्ट्स, उनके अतर-बदलाव से जुडी सेक्टर जानकारी आवश्यक है। प्रेस हेडल करना आना चाहिए। इस फीसल में एक्सपर्ट बनने के लिए असी कम्यूटर रिस्कल रिसेर्च एप्लीक्यूड और फाइनेंस इंडस्ट्री की जानकारी सज्जने दिख सकती है।

यहां भी मौके

■ स्टॉक मार्केट में आप कई फीसल पर काम कर सकते हैं। इन्वें स्टॉक ब्रोकर,
■ फाइनोशियल एडवाइसर, इन्वेस्टमेंट एडवाइसर, फोर्टफोलियो मैनेजमेंट एक्सपर्ट,
■ रिसेर्च एनालिस्ट, ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग, फाइनोशियल एनालिस्ट, इकीबेटी एनालिस्ट, मार्केट रिसेर्च, एक्सपर्ट डिस्टिब्यूटर, एडवाइसर, इन्वेस्टमेंट डिस्टिब्यूटर एडवाइसर।

रिसर्च पर फोकस करें

एकैडमिक एनालिटिकल के साथ अच्छी एनालिटिकल रिस्कल, स्टॉक माइड और रिसेर्च रिस्कल होना चाहिए। स्टॉक ट्रेडिंग बेचिफल क्लस और प्रेसेस की जानकारी के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री के बारे में ज्ञान होना जरूरी है। मार्केट के उतर-बढ़ाव और उचर को होने वाले फेरों के बारे में पता होना जरूरी है।
संजीव राठौर, सीनियर वेब एडिटर-फाइनोशियल मैनेजर

म्यूचुअल फंड एजेंट बनें, दूसरों को एडवाइज देने के साथ खुद की भी अच्छी अर्निंग करें

समय के साथ म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट का सबसे एक्सेसिबल खरीद बनता जा रहा है। हालांकि, इसमें शामिल होने की प्रक्रिया सामान्य लोगों के लिए कठिन है। लोग अपने जो निवेश करने से डरते हैं। इसलिए उन्हें प्रोफेशनल एक्सपर्ट की डिमांड रहती है। उनके लिए म्यूचुअल फंड एजेंट से परामर्श करके अब जलगत बनता जा रहा है। कबकी संकष्ट में लोग इन एजेंट को हरार कर रहे हैं। यह डिस्टिमेंट अने खाले समय में और बढ़ेगा। यानि ओने युवाओं के लिए म्यूचुअल फंड एजेंट को मांग होगी। युवा इनमें अपना करियर बन सकते हैं।

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से बढ़ा रोजगार का दायरा

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से इस क्षेत्र में रोजगार का दायरा बढ़ा है। एक म्यूचुअल फंड एजेंट जिनके पास इकीबेटी और डेट मार्केट की अजली जानकारी है, उन्को माग बहुत ज्यादा है। म्यूचुअल फंड ड्राउन किसी भी इंसुपुन से अने वाले व्यक्ति को किंग, करियर को सफलताओं की एक विन्डु और विविध रोज प्रदान करता है। इनमें से कुछ मिस्ट्री, बिजनेस, उपयुक्त विजनेस, निवेश, मानव संसाधन, जॉबिंग और प्रफेशनल सर्विस के अनुपबलन हैं।



अतिरिक्त इनकम का विकल्प हो सकता है आपके पास

यदि आप म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं तो आपके पास एक अतिरिक्त इनकम का विकल्प होगा। फुल टाइम या पार्ट टाइम भी कर सकते हैं। आप लोगों को जरूरत के अनुसार म्यूचुअल फंड बेचने और उसकी कमीशन कमाने का एक विजनेस शुरू कर सकते हैं। आप ऑनलाइन बैकग्राउंड व बर्गिंग बनकर घर बैठे ही काम कर सकते हैं।

तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहा म्यूचुअल फंड

देश में म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ऐसे में अगर आप एक म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं और पूरी सम और फेसल से लोगों को सही म्यूचुअल फंड का चुनाव करने में उनकी मदद करती हैं तो यह आपके लिए बहुत अच्छा करियर संधिता हो सकता है। म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए आपको एनएयूएलएम से पी-ए सर्टिफिकेशन एजान क्वालिफाई करना होगा।



विकास शर्मा, फाउंडर, फाइनोशियल स्ट्रीट

एजेंट बनने में पढ़ाई की कोई बाधना नहीं

म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए पढ़ाई की कोई बाधना नहीं है। यदि आप जलस 10वीं तक भी पड़े हैं तो एनएयूएलएम के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। आपके पास मुख्य डीप्लोमेटिस में पैन वर्ड और आउर काई होना अनिवार्य है।

ये होता है वर्क

■ निवेशकों को बाजार में उपसख्य प्रितिता योजनाओं से आगत करना।
■ अपना प्रतिफूर्ति उदावरी की तुलना में म्यूचुअल फंड योजनाओं की इनामदीशोती को सज्ज करना।
■ निवेशकों को म्यूचुअल फंड खरीदने, रिसेर्चिंग, रिसेर्चिंग में संधिता लेवेन करने में मदद करना।
■ निवेश के प्रदर्शन पर अक्सर निवेशकों का मार्गदर्शन करना।



TIMES OF INDIA

Vikas Sharma
Founder
Financial Street



Youth in India Embrace Stock Market Investments

The financial world is changing so fast and everyone wants to be on the profit side. That's why individual investors and students regularly take investor awareness programmes. Recently, IAP was conducted at a private management college in Gwalior where individual investors and management students learn about the post-effect of covid -19 on jobs economy and investment.

As we all know, The Covid-19 pandemic was the worst crisis since World War-2. Financial, social, and other consequences of COVID-19 will remain for many years. But as we know, everything has its pros and cons. In Indian History, for the first time ever, Demat Account across 10 Core. The Coronavirus badly hit the stock market all over the world, but the Indian economy witnessed a new investment trend. According to the data. Before Covid-19 in March 2020, there were 4 crore demat accounts and only in 2-3 years 6 crores of new accounts were reported.

As a country with the largest young population, expecting a booming economy, Indian young investors show an unprecedented degree of financial prudence. Most young investors directly invest in the market, without having proper knowledge.

You must have heard of Rakesh Jhunjhunwala and Warren Buffett, we know them as a big bull. They have made billions of dollars in the financial market. They used time as money and converted their money into wealth.

Benjamin Graham, known as the 'Father of Investment,' famously stated, "Investing in knowledge yields the most profitable interest."

According to NSE, 80 to 90 percent of investors lose their hard-earned money in option and day trading. Beware of fraud on YouTube and telegram channels. At least invest 10% in education of your investment.

HOW TO SELECT A MULTI-BAGGER STOCK?

Before selecting a multi-bagger stock, investors must investigate the business.

HERE ARE SOME KEY FACTORS FOR SELECTING MULTI-BAGGER STOCKS:

• **Strong Management:** A business cannot succeed without strong management. Look at multiple aspects, like diversion of funds, pledging of shares, board independence, discipline, and obligation.

• **Promoter Holding:** Find a stock that has good promoter holding which shows promoter confidence in their business.

• **Good Earning:** An investor earns money when the company makes profits. Keep your eyes on the PE ratio and EPS.

Another crucial element lies in the marginal allocation of funds. Utilising technical analysis for enhanced timing and upholding a robust risk management strategy are imperative. For instance, a group of acquaintances invested 1,000 rupees in [REDACTED] in 1980, which burgeoned to 1894 crores by 2021.



तीन साल में ढाई गुना बढ़े डीमैट एकाउंट पहले पढ़ें फिर निवेश की सोचें, वरना हो सकता है नुकसान

एक्सपर्ट स्टोरी



विकास शर्मा
फाउंडर
फाइनेंशियल स्ट्रीट

आपने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम तो सुना ही होगा। इन्हें हम बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने वित्तीय बाजार में अरबों डॉलर की संपत्ति बनाई है। उन्होंने समय का उपयोग धन के रूप में किया और अपने धन को संपत्ति में बदल दिया। पिछले तीन वर्षों से युवा निवेशकों को शेयर बाजार में रुचि लेते देखा है। कोरोना ने पूरी दुनिया के शेयर बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश का नया रुझान देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2020 में 4 करोड़ डीमैट खाते थे और वहीं वर्तमान में 10 करोड़ से अधिक डीमैट खाते खुल चुके हैं।

बढ़ती अर्थव्यवस्था के युवा दिखा रहे प्रतिभा

सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के रूप में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की उम्मीद करते हुए भारतीय युवा निवेशक अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। अधिकांश निवेशक उचित जानकारी के बिना सीधे बाजार में निवेश करते हैं, जो कि गलत है। निवेश से पहले अध्ययन बहुत जरूरी है।

मल्टी बैगर स्टॉक कैसे चुनें

मजबूत प्रबंधन- कोई व्यवसाय मजबूत प्रबंधन के बिना सफल नहीं हो सकता। कई पहलुओं फंड का डायवर्सन, शेयरों को गिरवी रखना, बोर्ड की स्वतंत्रता, अनुशासन व दायित्व पर गौर करें।

प्रमोटर होल्डिंग- ऐसा स्टॉक ढूँढ़ें, जिसमें अच्छी प्रमोटर होल्डिंग हो जो प्रमोटर को उनके व्यवसाय में विश्वास दिखाता हो।

अच्छी कमाई- एक निवेशक तब पैसा कमाता है, जब कंपनी मुनाफा कमाती है। पीई अनुपात और ईपीएस पर अपनी नजर रखें।

निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें : एनएसई के मुताबिक 80 से 90 फीसदी निवेशक ऑप्शन और डे ट्रेडिंग में अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। यूट्यूब और टेलीग्राम चैनलों पर धोखाधड़ी से सावधान रहें। अपने निवेश का कम से कम 10 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करें।

शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचें



विकास शर्मा

निवेश के क्षेत्र में धैर्य सिर्फ एक गुण नहीं बल्कि सफलता की कुंजी भी है। शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचना आपके वित्तीय परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। शेयर बाजार में जल्दबाजी में लिए गए निर्णय अक्सर त्वरित लाभ की इच्छा से प्रेरित होते हैं। निवेशक ऐसे शेयरों का पीछा करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, जबकि इससे अल्पकालिक लाभ मिल सकता है। आप शेयर बाजार में फायदा ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको दीर्घकालिक निवेश रणनीति का पालन करना होगा। अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाकर, जोखिमों का प्रबंधन करके आप अपनी वित्तीय स्थिरता को बढ़ा सकते हैं और समय के साथ अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। धन निर्माण में सबसे शक्तिशाली शक्तियों में से एक चक्रवृद्धि व्याज है। आय को पुनर्निवेशित करके और समय के साथ उन्हे अधिक आय उत्पन्न करने की अनुमति देकर, निवेशक अपनी संपत्ति को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इस दृष्टिकोण के लिए धैर्य और लंबे समय तक निवेशित रहने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। सफल निवेशक अक्सर एक स्पष्ट वित्तीय योजना के साथ शुरुआत करते हैं, जो उनके लक्ष्यों, जोखिम, सहनशीलता और निवेश क्षितिज को रेखांकित करती है। प्राप्त करने योग्य उद्देश्य निर्धारित करके और समय-समय पर अपनी प्रगति की समीक्षा करके, निवेशक निवेश के दीर्घकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बाजार के रुझानों, आर्थिक संकेतकों और कंपनी की बुनियादी बातों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखना, निवेश के बारे में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी है।

शेयर मार्केट कई क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स की जरूरत

बाजार की नब्ज टटोलने का हुनर दिलाएगा कामयाबी

ZOOM रिपोर्ट
zoom.com

भोजपुर, बौद्धिक के दौर में जहाँ रोजगार देने वाले कई संभार को हलकन बाजार चल रही है, वहीं शेयर मार्केट में उनके मुकाबले निवेश करने वालों की स्थिति अच्छी रही है। ऐसे देखने हुए भविष्य में इस सेक्टर में शेयर बाजार, मॉडर्न मार्केट एनलिसिस और कई जानकारी लेने की जरूरत महसूस की जा रही है। इन क्षेत्र में एक्सपर्ट के लिए बड़े संघर्षनाएँ हैं। कई संस्थानों में इसके अलग-अलग कोर्स हैं।

शेयर मार्केट में बड़े कुशल भाव के प्रदान के महानवर एक्सपर्टों का स्थान बढ़ा है। एक निजी कंपनी में स्टॉक ब्रॉकिंग का काम देख रहे संजय कुमार ने बताया, अभी कई निवेश कंपनियों और वित्तीय सलाहकार कॉन्सलिंग मेंदान में हैं। इनके जल्दी यह जहाँ के कई शक्ति हैं। इस क्षेत्र में प्रोग्राम को देखना हुए एक्सपर्ट, सीए, आर्थिकविद्वान, इस ओर रुख कर रहे हैं। स्टॉक एक्सचेंज से मजाना प्राप्त सर्टिफिकेट होल्डर्स अपना भविष्य बना रहे हैं। शेयर बाजार में रोजगार को बात करे तो मुख्य रूप से इकोनॉमिस्ट, जकाराउटेड, फाइनेंसियल एनलिसिस, इन्वेस्ट एन्सॉसिस्ट, क्रेडिटल मार्केट एनलिसिस के रूप में कुछ जा सकता है।

कोर्स और योग्यता

शेयर बाजार से जुड़ने के लिए क्या रहे विभिन्न पोस्ट हेतु प्रोग्राम के लिए अर्थात् का स्वतंत्र होना अनिवार्य है। कुछ संस्थानों में प्रोग्राम के लिए 50 प्रतिशत अंक से स्नातक तृतीय अर्थवर्षी के लिए एक या दो वर्षीय डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स हैं। केवलन स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संचालित



प्रमुख संस्थान

- मुख्य स्टॉक एक्सचेंज ट्रेडिंग इन्स्टीट्यूट मुंबई
- वित्तीय विश्वविद्यालय, दिल्ली
- इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट प्रेक्चरमेंट्स, नई दिल्ली
- इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई
- ग्रेडुआइ इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई
- ग्रेडुआइ इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नरिसा
- यूनि विश्वविद्यालय, पुणे
- ज्यूपीएसएफएच, हैदराबाद

शेयर मार्केट के फील में कई हिस्से

शेयर मार्केट में कई फील हैं। हर एक में वेस्टर्न कैरियर बनाना जा सकता है। बाजार का विश्लेषण करने के साथ बचत और इन्वेंस्टमेंट कई हिस्से हैं। बड़ा प्रोफेशनल्स की जरूरत है। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वालों के लिए सलाहकार के रूप में भी काम किया है। एक्सपर्ट के रूप में काम के लिए इस क्षेत्र में काफी खोज है।

आश्विन मजरा, गिर बौद्ध, एनएच

विश्लेषण करने वालों की भी जरूरत

शेयर बाजार में कई तरह के कैरियर के अवसर मौजूद हैं। इकोनॉमिस्ट, अकाउंटेंट, मैनजरीशियल एनलिसिस, इन्वेस्ट एनलिसिस, कैपिटल मार्केट एनलिसिस, फ्यूचर प्लानिंग,



वित्तलेषण करने वालों की जरूरत है, इसी परिणाम बाजार में सके। विकास शर्मा, ग्राहिक

समझदारी से करें रुपये का प्रबंधन, निवेश जरूरी

आज के डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है, खासकर भारत में जहाँ लाखों लोग वित्तीय मामलों से अनजान हैं। इसमें समझदारी से रुपये का प्रबंधन करना, बचत, निवेश, ऋण, बीमा, पेंशन योजना और अन्य वित्तीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है। भारत में समृद्धि और विकास की



विकास शर्मा,

दिशा में आगे बढ़ने के लिए, सरकार, वित्तीय संस्थानों और अन्य संगठनों

को वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। वित्तीय साक्षरता के लाभों में वित्तीय स्वतंत्रता, उचित ऋण प्रबंधन, बचत और निवेश, वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा और जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा सरकारी योजनाओं के लाभ शामिल हैं। हाल ही में सेबी ने वित्तीय साक्षरता के लिए एनआईएसएम के साथ एक मुफ्त प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया है

करियर कोरोना के बाद बढ़ी डिमांड, अब 30 साल के युवा भी करा रहे इश्योरेंस सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित, सैलरी के साथ कई फायदे

एक नजर में

- इश्योरेंस इंडस्ट्री का विकास काफी तेजी से हो रहा है। पीपल रिकल्स और सेलिंग रिकल्स वाले लोगों के लिए कार्य और अवसर समय के साथ बढ़ते जा रहे हैं।
- आने वाले 10 वर्षों में इंडस्ट्री का विकास अपने चरम पर होगा। युवाओं के लिए इश्योरेंस सेक्टर भावी करियर के तौर पर देखा जा रहा है।
- पुणे में एनआई जैसे कई प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट्स हैं, जो स्टूडेंट्स को इश्योरेंस में बेहतरीन कोर्सिंग ऑफर करते हैं।
- बिरला स्कूल्स और आईसीएफएआई जैसे इंस्टीट्यूट्स स्टूडेंट्स के लिए रेगुलर और डिस्टेंस एजुकेशन दोनों में ही विभिन्न कोर्सिंग ऑफर करते हैं।

युवाओं के लिए ऐसा करियर ऑप्शन, जो खत्म नहीं होगा

सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित है। कोरोना के बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। लाइफ



इश्योरेंस, हेल्थ इश्योरेंस और जनरल इश्योरेंस के लिए आइसी-30 एग्जाम देना होता है। अलग-अलग कंपनी अपने हिसाब से सैलरी, इंसेटिव और कमीशन देती है। युवाओं के लिए यह ऐसा करियर ऑप्शन है, जो कभी खत्म होने वाला नहीं है। यह उनके लिए बेहतर है, जिन्होंने कोई प्रोफेशनल डिग्री नहीं की है। बस आपकी कम्प्युनिकेशन स्किल अच्छी होनी चाहिए और सामाजिक दायरा बढ़ा होना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट, ग्वालियर

इस समय देश में बूम पर है इश्योरेंस सेक्टर

इश्योरेंस का सेक्टर इस समय बूम पर है। कोरोना काल के बाद लोगों को इसकी अहमियत समझ आ गई है। सबसे ज्यादा



यूथ जो फ्री होकर अच्छी अर्निंग करना चाहता है, इस क्षेत्र में उसके लिए बहुत संभावनाएं हैं। एक एडवाइजर के तौर पर शुरुआत करके मैनेजर से लेकर अन्य पोस्ट तक पहुंच सकते हैं। इस फील्ड में जितना काम करेंगे उतना पैसा है। सपनों को पूरा करने के लिए एग्जाम क्लियर करना होता है।

प्रियंका जायसवाल, सीनियर रिक्रूटमेंट डेवलपमेंट मैनेजर, जबलपुर

कोरोना के बाद से काफी अवेयर हुए हैं लोग

में पिछले 25 साल से इश्योरेंस एजेंट हूँ और इसी से मेरा घर भी चलता है और मैंने अपने बच्चों को इसी सेक्टर की अर्निंग से पढ़ा-लिखाकर काबिल भी बना दिया है। मैं समझता हूँ इश्योरेंस सेक्टर एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प है जो कहीं न कहीं आपको लोगों से जोड़ता भी है और अर्निंग के लिहाज से भी काफी बेहतर है। केवल इस सेक्टर में पार्ट टाइम जॉब न करते हुए सभी को फुल टाइम जॉब करना चाहिए। इश्योरेंस एजेंट बनकर आप लोगों को कहीं न कहीं हेल्थ और उनके परिवार के प्रति चिंता करने के लिए सजग भी करते हैं। कोरोना के बाद से लोगों में इश्योरेंस को लेकर काफी जागरूकता भी आ गई है। ज्यादा से ज्यादा लोग अब बीमा कराने लगे हैं। पहले लोग इश्योरेंस पर ज्यादा भरोसा नहीं करते थे लेकिन अब अवेयर हो रहे हैं।

रविन्द्र रघुवंशी, एलआईसी एजेंट (फाइनेंशियल एडवाइजर), इंदौर

day special नेशनल इश्योरेंस अवेयरनेस डे

कोरोना के बाद 27% तक बढ़े पॉलिसी धारक, इनमें युवा भी



इश्योरेंस आपको भविष्य के लिए सिक्वोर करता है। अधिकतर लोग लाइफ इश्योरेंस और हेल्थ इश्योरेंस को तो वेटेज देते हैं, लेकिन जनरल इश्योरेंस को पीछे छोड़ देते हैं, जबकि यह भी बहुत जरूरी है। इश्योरेंस कंपनियों की माने तो कोरोना के बाद से लगभग 27 प्रतिशत पॉलिसी धारक बढ़े हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें 30 साल उम्र के युवा भी शामिल हुए हैं। इश्योरेंस अधिकारियों के अनुसार आम तौर पर लोग 40 वर्ष की आयु के बाद हेल्थ पॉलिसी लेते थे, जिसमें अब अवेयरनेस आई है।

कम उम्र के युवा दिखा रहे पॉलिसी में इंट्रेस्ट

फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर विकास शर्मा ने बताया कोरोना के



बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी

हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। हेल्थ और लाइफ इश्योरेंस की तरह जनरल इश्योरेंस भी बहुत जरूरी है, जो हम इंडियंस नहीं लेते। जनरल इश्योरेंस कराने वाले मामूली लोग हैं। जबकि यह बीमा हमारी रोज की समस्याओं का सॉल्यूशन है। लोग जब गाड़ी खरीदते हैं तब एजेंसी ही बीमा कराकर देती है। इसके बाद उसे रिनुअल कराने वाले लोगों का परसेंटेज काफी कम है।

भविष्य के लिए प्री प्लान करें इश्योरेंस

इश्योरेंस सेल्स ट्रेनर संजय धूपर ने बताया दुनिया में जरूरत पड़ने पर



हर चीज मिल सकती है, लेकिन इश्योरेंस नहीं। इसे लेने के लिए प्री प्लान

करना होगा। इश्योरेंस पॉलिसी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। क्योंकि इससे परिवार का भविष्य सुरक्षित रहता है। हालांकि कोविड के कारण लोगों ने इसकी इम्पोर्टेंस को समझा और बेझिझक पॉलिसी ली। पिछले 50 साल में लोगों का इश्योरेंस का इतना झुकाव नहीं दिखा, जितना अभी हुआ है। लोगों ने टर्म प्लान और हेल्थ पॉलिसी को सबसे ज्यादा प्रिफर किया।

About Us

Financial Street is a well-recognized name in the financial market education. We are specializes in training investors and providing high quality training to investors and traders across the country. Our vision is to be the most sought after learning provider in the areas of finance and leadership learning.

Financial Street is a group of professionals; our educational program is anchored around that philosophy. Our program is guided by our vision and mission.

We Offer Mock Test Series



Contact Us

Financial Street

136, Mayur Nagar, Thatipur, Gwalior 474011(M.P.)

Email: contact.fstreet@gmail.com

Web: <https://www.financialstreet.in/>

Call: (91)-6264537290

About the Author

This Mock Test is developed by Mr. Vikas Sharma (Technical Analyst & Having more than 15 years' Experience in Money Market) in coordination with the Team of Financial Street. Mock Test is reviewed by Dr. Uma (Professor PHD in Economics).

“THANK YOU”
